हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

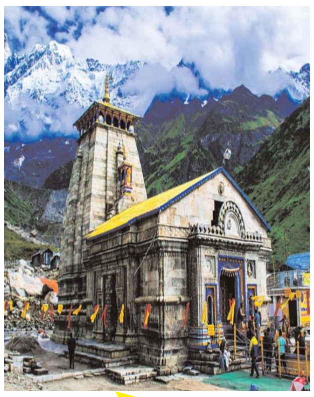

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

निर्भीक, निष्पक्ष, सच का प्रवाह

वर्षः5 अंक:150 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, शनिवार, 06 जून 2026

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी माता जी के नाम से रोपित किया पौधा

पथ प्रवाह, नैनीताल/भीमताल।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद नैनीताल के भीमताल में झील सौंदर्यीकरण अभियान कार्यक्रम में प्रतिभाग कर भीमताल झील परिक्षेत्र में पौध रोपण किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित जनसमूह को विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई देते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति संकल्पबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की संस्कृति और जीवन शैली का प्रकृति के साथ गहरा जुड़ाव रहा है। हमारे लोकपर्व, परम्पराएं और जनजीवन सदैव पर्यावरण संरक्षण के मूल्यों को सुदृढ़ करते रहे हैं। यह दिवस प्रकृति के प्रति हमारी आस्था और संरक्षण की भावना को प्रदर्शित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें एकजुट होकर प्रकृति के संरक्षण की दिशा में भी चिन्तन करना होगा। उन्होंने कहा कि नैनीताल जिला झीलों के नाम पर विश्वविख्यात है, यहॉ देश विदेश से वर्षभर पर्यटक आते हैं। झीलों का संरक्षण व सवर्धन सरकार की प्राथमिकता में है। इसी उद्देश्य से भीमताल झील किनारे फूलों के पौध रोपित करने के साथ ही इसका सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यहॉ की झीलों की देश-विदेश में विशिष्ट पहचान है। राज्य सरकार इस धरोहर के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने आह्वान करते हुए कहा कि इस मानसून में प्रत्येक नागरिक अधिक से अधिक पौधारोपण करने के साथ ही पौधों एवं जल स्रोतों के संरक्षण, नदियों एवं सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता तथा प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने के लिए आगे आएं। उन्होंने इस अभियान में सभी से सक्रिय भागीदारी की भी अपील की है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी पूज्य माता बिसना देवी के नाम से एक बोगनबेलिया का पौधा रोपित किया गया। इस अवसर पर उत्तराखंड सरकार में शहरी विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन व जलागम प्रबंधन मंत्री रामसिंह कैड़ा द्वारा भी अपनी स्व. माता रेवती देवी जी की स्मृति में एक पौधा रोपण किया गया ।

इस दौरान कुमाऊं आयुक्त व सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत द्वारा अपनी पूज्य माता सावित्री रावत, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल द्वारा अपनी पूज्य माता उमा देवी रयाल, मुख्य वन संरक्षक कुमाऊं तेजस्विनी अरविंद पाटील द्वारा अपनी पूज्य माता स्व. मीना अरविंद पाटील की स्मृति में तथा मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पाण्डे द्वारा अपनी पूज्य माता नागिन्दी पाण्डे, वन संरक्षक नितीश मणी त्रिपाठी द्वारा अपनी पूज्य माता नीलम मणी त्रिपाठी जी के नाम से पौधा रोपित किया गया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट, प्रभागीय वनाधिकारी आकाश गंगवार, आईटीबीपी से 34 बटालियन के कमाडेंट हेमंत कुमार,जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी, मुख्य उद्यान अधिकारी प्रेमा राणा,एपीडी चंद्रा फर्त्याल सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि,गणमान्य नागरिक, प्रकृति प्रेमी आदि मौजूद रहे।

एक नजर

आईपीएस निवेदिता कुकरेती को मिली आईजी कुमाऊं की जिम्मेदारी

पथ प्रवाह, देहरादून।

उत्तराखंड शासन ने शुक्रवार देर शाम भारतीय पुलिस सेवा (IPS), प्रांतीय पुलिस सेवा (PPS) तथा प्रांतीय सिविल सेवा (PCS) अधिकारियों के व्यापक तबादले और नई तैनाती के आदेश जारी कर दिए। लंबे समय से प्रतीक्षित इस तबादला सूची में कई वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बड़ा बदलाव किया गया है।

सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी निवेदिता कुकरेती को कुमाऊं परिक्षेत्र का नया पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) नियुक्त किया गया है। अब तक यह जिम्मेदारी संभाल रहीं रिद्धिम अग्रवाल को पुलिस महानिरीक्षक अपराध एवं कानून व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। शासनादेश के अनुसार विम्मी सचदेवा को पुलिस महानिरीक्षक पुलिस दूरसंचार एवं फायर सर्विस बनाया गया है। कृष्ण कुमार वीके को पुलिस महानिरीक्षक यातायात की जिम्मेदारी दी गई है। अनंत शंकर ताकवाले को पुलिस महानिरीक्षक सीआईडी नियुक्त किया गया है। सुनील कुमार मीणा को पुलिस महानिरीक्षक कार्मिक एवं पीएसी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। योगेंद्र सिंह रावत को पुलिस महानिरीक्षक एसडीआरएफ बनाया गया है। वरिंदरजीत सिंह को पुलिस महानिरीक्षक मुख्यालय नियुक्त किया गया है। आयुष अग्रवाल को 40वीं वाहिनी पीएसी हरिद्वार का सेनानायक बनाया गया है। वहीं, नीलेश आनंद भरणे की जिम्मेदारियों में कटौती करते हुए उनसे सचिव पुलिस और स्पोर्ट्स कंट्रोल रूम का अतिरिक्त प्रभार वापस ले लिया गया है। फिलहाल उन्हें कोई नई जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है। इसके अलावा हरीश वर्मा को सेनानायक आईआरबी प्रथम बनाया गया। अमित श्रीवास्तव को पुलिस अधीक्षक सीआईडी देहरादून नियुक्त किया गया। जितेंद्र चौधरी को पुलिस अधीक्षक अपराध एवं यातायात देहरादून की जिम्मेदारी दी गई है।

प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारियों की सूची में भी कई अहम परिवर्तन किए गए हैं। देहरादून के सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह को हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण (एचआरडीए) का सचिव नियुक्त किया गया है। राकेश तिवारी को देहरादून का नया सिटी मजिस्ट्रेट बनाया गया है। साथ ही उन्हें संयुक्त सचिव मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। गोपाल सिंह बिनवाल को रुड़की नगर निगम का नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है।

प्रांतीय पुलिस सेवा अधिकारियों में भी कई बदलाव किए गए हैं। वीर सिंह को उपसेनानायक आईआरबी प्रथम बनाया गया। लोकजीत सिंह को अपर पुलिस अधीक्षक अपराध एवं कानून व्यवस्था, पुलिस मुख्यालय की जिम्मेदारी मिली। विमल आचार्य को उपसेनानायक 46वीं वाहिनी पीएसी रुद्रप्रयाग नियुक्त किया गया। शांतनु पाराशर को अपर पुलिस अधीक्षक साइबर क्राइम बनाया गया।

अंकुश मिश्रा को अपर पुलिस अधीक्षक अभिसूचना की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

शासन द्वारा जारी इस तबादला सूची को प्रशासनिक और पुलिस व्यवस्था में बेहतर समन्वय तथा कार्यकुशलता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। आगामी कांवड़ यात्रा, चारधाम यात्रा और अन्य बड़े आयोजनों को देखते हुए कई महत्वपूर्ण पदों पर अनुभवी अधिकारियों की तैनाती की गई है। प्रदेश में आने वाले दिनों में प्रशासनिक स्तर पर और भी बदलाव होने की संभावना जताई जा रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नैनीताल को दी 96.71 करोड़ की योजनाओं की सौगात

पथ प्रवाह, नैनीताल।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को जनपद नैनीताल को 96 करोड़ 71 लाख रुपये की 13 विकास योजनाओं की सौगात दी। जिसमें 67 करोड़ लागत की 6 योजनाओं का लोकार्पण एवं 29.71 करोड़ की 7 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा भीमताल क्षेत्र के विकास हेतु अनेक घोषणा की गई, जिसमें भीमताल में सैनिकों एवं व्यापारियों हेतु एक बहुउद्देश्यीय भवन का निर्माण, भीमेश्वर मंदिर एवं ओखलकांडा पशुपतिनाथ मंदिर को मंदिर माला मिशन में जोड़े जाने, रामगढ़ ब्लॉक के ओढ़ाखांन से मुक्तेश्वर मोटर मार्ग, जीप मार्ग का मिलान, रामगढ़ उप तहसील का शीघ्र संचालन किये जाने के साथ क्षेत्र में प्राधिकरण की समस्या के समाधान हेतु उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर समस्या का समाधान किया जाना शामिल है।

मुख्यमंत्री ने सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यहां की सुंदर झील, चारों ओर फैली हरियाली, पर्वतों की अद्भुत श्रृंखला और प्रकृति की अनुपम छटा हमें केवल आनंद का अनुभव ही नहीं कराती, बल्कि हमें ये भी याद दिलाती है कि प्रकृति और पर्यावरण ही हमारा वर्तमान भी है और भविष्य भी है। इसलिए इस प्रकृति और पर्यावरण को संरक्षित और सुरक्षित रखना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि आज का दिन केवल पौधे लगाने या औपचारिक कार्यक्रमों को करने का ही नहीं है, बल्कि आज का दिन आत्मचिंतन करने का भी दिन है। आज का दिन स्वयं से ये पूछने का अवसर है कि हम अपने बच्चों और आने वाली पीढ़ियों को कैसी धरती, कैसा पर्यावरण और कैसा भविष्य सौंपकर जाना चाहते हैं, क्या हम उन्हें स्वच्छ नदियाँ, हरे-भरे जंगल और शुद्ध वातावरण देंगे, या फिर प्रदूषण, जल संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों से भरा भविष्य देकर जायेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड का पर्यावरण कैसा हो ये हम सभी के लिए एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। क्योंकि अच्छा पर्यावरण न केवल हमारी पहचान है बल्कि हमारी संस्कृति, आस्था और जीवन का आधार भी है। उन्होंने कहा कि हम उस पवित्र भूमि के निवासी हैं जहाँ से माँ गंगा और यमुना जैसी जीवनदायिनी नदियाँ निकलती हैं। जहाँ हिमालय केवल पर्वत नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता का प्रहरी है और हम उस संस्कृति के वाहक हैं जिसने हजारों वर्षों पहले ही प्रकृति को पूजनीय माना और पूरी दुनिया को प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया आज जिस पर्यावरण संरक्षण की बात कर रही है, वह हमारी संस्कृति का हिस्सा हजारों वर्षों से रहा है। हमने नदियों को माँ कहा, वृक्षों को देवता माना, पर्वतों को पूजनीय माना और प्रकृति को जीवन का आधार माना।उन्होंने दुनिया में हो रहे जलवायु परिवर्तन को एक बड़ी चुनौती मानते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन अब केवल वैज्ञानिकों की चर्चा का विषय नहीं रह गया है।

यह हमारे रोजमर्रा जीवन की वास्तविकता बन चुका है। बदलता मौसम, बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा, सूखते जल स्रोत, पिघलते ग्लेशियर और बढ़ती प्राकृतिक आपदाएँ हमें लगातार चेतावनी दे रही हैं। जलवायु परिवर्तन से हमारे जल स्रोत प्रभावित हो रहे हैं, हमारी खेती प्रभावित हो रही है, हमारी जैव विविधता प्रभावित हो रही है साथ ही साथ हमारे राज्य की आर्थिकी का मूल आधार पर्यटन भी प्रभावित हो रहा है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण हमारे लिए अति महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत ने विश्व को एक नई दिशा देने का काम किया है। उन्होंने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया है कि विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। इसी सोच के साथ भारत प्रकृति भी और प्रगति भी के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जी ने मिशन लाइफ के माध्यम से दुनिया को यह संदेश दिया कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है। जब करोड़ों लोग अपने जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करने शुरू कर देते हैं, तब बड़े-बड़े परिवर्तन अपने आप संभव होने लग जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रारंभ किया गया एक पेड़ माँ के नाम अभियान भी केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं है। बल्कि ये भावनाओं से जुड़ा हुआ एक जनआंदोलन है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश के प्रत्येक परिवार से आग्रह किया कि वह अपनी माँ के नाम एक पौधा अवश्य लगाए और उसे वृक्ष बनाऐं। उन्होंने कहा कि जब पूरी दुनिया जंगलों की रक्षा की बात कर रही थी, तब उत्तराखंड की मातृशक्ति ने चिपको आंदोलन के माध्यम से इतिहास रचा...

पाकिस्तानी हवाला नेटवर्क में हरिद्वार की दूसरी टीचर गिरफ्तार

सोनम के बाद पूजा पर भी जम्मू-कश्मीर पुलिस का शिकंजा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पाकिस्तान से जुड़े संदिग्ध हवाला नेटवर्क और करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेनदेन मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हरिद्वार की एक और महिला शिक्षक को गिरफ्तार किया है। रुड़की क्षेत्र की रहने वाली पूजा को गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर जम्मू-कश्मीर ले जाया गया है। इससे पहले इसी मामले में उसकी सहेली और शिक्षिका सोनम को भी गिरफ्तार किया गया था।

जानकारी के अनुसार, सोनम से पूछताछ के दौरान पूजा का नाम सामने आया था। इसके बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से पूजा की गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू कर दी थी। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद गुरुवार को उसके घर पर छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

हरिद्वार के एसपी देहात शेखर चंद सुयाल ने बताया कि पूजा एमएससी की छात्रा है और एक कॉलेज में पढ़ाने का कार्य भी कर रही थी। पढ़ाई और नौकरी के दौरान उसकी दोस्ती सोनम से हुई थी। जांच में सामने आया है कि दोनों युवतियां जम्मू-कश्मीर के ऐसे युवकों के संपर्क में थीं, जिनके तार पाकिस्तान से जुड़े होने की आशंका है।

पुलिस जांच के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के कुछ युवक दोनों के खातों में धनराशि भेजते थे। इसके बाद यह रकम अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर की जाती थी। इस पूरे नेटवर्क में कमीशन के बदले बैंकिंग चौनलों का इस्तेमाल कर संदिग्ध ट्रांजेक्शन किए जा रहे थे।

मामले की शुरुआत कठुआ जिले में राहुल खान नामक युवक की गिरफ्तारी से हुई थी। पूछताछ में राहुल ने सोनम का नाम बताया था। सोनम की गिरफ्तारी के बाद खुलासा हुआ कि वह अपनी मित्र पूजा के माध्यम से उमर नामक व्यक्ति के संपर्क में आई थी। उमर ने उसे अपने रिश्तेदार हसीन से मिलवाया था। इसके बाद सोनम को पार्सल के जरिए एटीएम कार्ड, सिम कार्ड और बैंक पासबुक उपलब्ध कराई गई।

जांच एजेंसियों के अनुसार, सोनम विभिन्न खातों में आने वाली रकम को कई अन्य खातों में ट्रांसफर करती थी। अब तक 20 से 25 खातों में धनराशि भेजे जाने की जानकारी सामने आई है। प्रत्येक ट्रांजेक्शन पर उसे कमीशन मिलता था। पुलिस के अनुसार, उसने करीब 20 लाख रुपये विभिन्न माध्यमों से ट्रांसफर किए, जिसके बदले लगभग दो लाख रुपये कमीशन प्राप्त हुआ।

सोनम की गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके कब्जे से कई मोबाइल सिम, एटीएम कार्ड, लैपटॉप और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए थे। इसके बाद जांच का दायरा बढ़ा और पूजा की भूमिका भी सामने आई।

अब जम्मू-कश्मीर पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि सोनम और पूजा ने मिलकर कुल कितनी राशि का लेनदेन किया और क्या इस धन का इस्तेमाल किसी देशविरोधी या अन्य संदिग्ध गतिविधियों के लिए किया जाना था। जांच एजेंसियां पूरे नेटवर्क के अन्य संभावित सदस्यों की भी तलाश कर रही हैं। इस मामले ने हरिद्वार समेत पूरे उत्तराखंड में सनसनी फैला दी है, क्योंकि शिक्षण कार्य से जुड़ी दो युवतियों के नाम कथित तौर पर अंतरराज्यीय हवाला नेटवर्क से जुड़ने के आरोपों में सामने आए हैं। हालांकि अंतिम सत्य पुलिस जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही स्पष्ट होगा।

एक नजर

कांवड़ और कुंभ मेले की तैयारियों पर मंथन, आईजी राजीव स्वरुप ने उद्योग प्रतिनिधियों से मांगे सुझाव

पथ प्रवाह, हरिद्वार। आगामी कांवड़ यात्रा, कुंभ मेला एवं वर्तमान में संचालित चारधाम यात्रा के दौरान यातायात संचालन और व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस महानिरीक्षक (गढ़वाल परिक्षेत्र) राजीव स्वरुप की अध्यक्षता में औद्योगिक इकाइयों के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की गई। सीसीआर स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में जनपद के राजपत्रित पुलिस अधिकारियों के साथ विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान आईजी राजीव स्वरुप ने चारधाम यात्रा के दौरान उत्पन्न होने वाली यातायात चुनौतियों तथा आगामी कांवड़ यात्रा और कुंभ मेले की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने औद्योगिक इकाइयों के पदाधिकारियों से यातायात प्रबंधन एवं व्यवस्थापन के लिए तैयार की जा रही कार्ययोजना पर सुझाव आमंत्रित किए। साथ ही आश्वस्त किया कि प्रशासन द्वारा तैयार की जा रही योजना में सभी पक्षों के हितों और आवश्यकताओं का समुचित ध्यान रखा जाएगा। बैठक में यातायात व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने, औद्योगिक गतिविधियों पर न्यूनतम प्रभाव सुनिश्चित करने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने सुझावों के आधार पर समन्वित एवं व्यावहारिक कार्ययोजना तैयार करने की बात कही।

बुलेट के पटाखेदार साइलेंसर पर पुलिस का शिकंजा, वाहन सीज

पथ प्रवाह, हरिद्वार। सड़क पर शोर मचाने और पटाखों जैसी आवाज निकालने वाले मॉडिफाइड साइलेंसर लगे वाहनों के खिलाफ हरिद्वार पुलिस ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में कोतवाली रानीपुर पुलिस ने एक बुलेट बाइक चालक को पकड़कर भारी चालान किया और वाहन को सीज कर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान के दौरान पुलिस टीम बीएचईएल स्टेडियम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान ज्वालापुर की ओर से आई एक बिना नंबर प्लेट की बुलेट मोटरसाइकिल तेज आवाज और पटाखों जैसी ध्वनि निकालते हुए उत्पात मचाती मिली। पुलिस ने बाइक चालक अक्षय पुत्र वेदपाल, निवासी हरिजन बस्ती, कोतवाली नगर हरिद्वार को मौके पर रोक लिया। जांच में बाइक में रेट्रो, मॉडिफाइड साइलेंसर लगा पाया गया। पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए चालक का चालान किया और बाइक को सीज कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। ऐसे मामलों में चालान के साथ वाहन सीज करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

प्रांतीय चुनाव पर रोक से पेंशनर संगठन में संवैधानिक संकट

पथ प्रवाह, हरिद्वार। आगामी 9 जून को रुड़की में प्रस्तावित गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन के प्रांतीय चुनावों तथा अन्य विवादित कार्यवाहियों पर उप निबंधक फर्म, सोसाइटी एवं चिट्स हरिद्वार ने रोक लगा दी है। उप निबंधक कार्यालय द्वारा 29 मई को जारी पत्र में संस्था के अध्यक्ष और सचिव को सोसाइटी एक्ट 1860 के प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई करने तथा इसकी जानकारी कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। मामले के शिकायतकर्ता एवं हरिद्वार इकाई के महामंत्री जेपी चाहर ने अध्यक्ष बीपी चौहान की सहमति से पुनः पत्र भेजकर प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने उप निबंधक, जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा अन्य सक्षम अधिकारियों को प्रेषित पत्र में कहा है कि वर्तमान पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी का कार्यकाल 3 जून को समाप्त हो चुका है। ऐसे में वे किसी भी नीतिगत निर्णय या संगठनात्मक कार्रवाई के लिए वैधानिक रूप से अधिकृत नहीं रह जाते। यदि इसके बावजूद कोई कार्यवाही की जाती है तो वह अधिनियम का उल्लंघन मानी जाएगी। प्रांतीय चुनावों पर रोक और कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्त होने के कारण संगठन के समक्ष उत्पन्न संवैधानिक संकट पर विचार-विमर्श के लिए विभिन्न जिला शाखाओं एवं संबद्ध संगठनों के पदाधिकारियों की एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। गूगल मीट के माध्यम से हुई इस बैठक में संगठन के भविष्य के संचालन, वैधानिक प्रक्रिया और पेंशनरों की मांगों को प्रभावी ढंग से उठाने की रणनीति पर चर्चा की गई।

निर्यात बढ़ाने के लिए AI, ई-कॉमर्स एवं भविष्य उन्मुख उत्पादों में निवेश पर विशेष जोर: जिलाधिकारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन्स (FIEO) एवं डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (DGFT) के संयुक्त तत्वावधान में 'एक्सपोर्ट कॉन्क्लेव-हरिद्वार' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के निर्यातकों, उद्योगपतियों, एमएसएमई प्रतिनिधियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि जनपद में निर्यात की अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें सशक्त रणनीति एवं नवाचार के माध्यम से और अधिक विकसित किया जा सकता है। उन्होंने विशेष रूप से भविष्य के उत्पादों में निवेश की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वैल्यू एडेड एग्रीकल्चर, आयुर्वेद एवं वेलनेस उत्पाद, सोलर प्रोडक्ट्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV), प्रोसेस्ड फूड, हैंडीक्राफ्ट्स एवं टेक्सटाइल्स जैसे क्षेत्रों में निर्यात को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) एवं डिजिटल तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देते हुए कहा कि निर्यातक AI के माध्यम से बाजार विश्लेषण, मांग पूर्वानुमान (Demand Forecasting), गुणवत्ता नियंत्रण एवं सप्लाई चेन प्रबंधन को अधिक प्रभावी बना सकते हैं। साथ ही ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के जरिए वैश्विक बाजार तक पहुंच को आसान बनाया जा सकता है। उन्होंने निर्यातकों को नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए आश्वस्त किया कि प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान हेतु पूर्णतः तत्पर है।

इस दौरान FIEO के डीडीजी आशीष जैन द्वारा भारत के निर्यात को बढ़ावा देने में FIEO की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। तत्पश्चात DGFT के भारत भूषण द्वारा केंद्र सरकार की निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं एवं हाल ही में हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) के लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। उप निर्देशक मनीषा झा द्वारा अपने विचार व्यक्त किए।

स्मार्ट मीटर पर सियासत गरमाई, सपा ने राज्य सरकार को घेरा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। समाजवादी पार्टी ने स्मार्ट मीटर का विरोध करते हुए सरकार और प्रशासन को घेरा। पार्टी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनता के साथ धोखा कर रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को भी दरकिनार किया जा रहा है।

बाल्मीकि चौक स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बैठक के दौरान राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण सचान ने कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि किसी पर भी दबाव या जबरदस्ती करके स्मार्ट मीटर नहीं लगाया जा सकता तो फिर प्रशासन पुलिस की मदद से स्मार्ट मीटर लगाने की जबरदस्ती कैसे कर रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस का कार्य कानून व्यवस्था देखना है। प्रशासन स्मार्ट मीटर लगाने के लिए पुलिस को आगे कर रहा है। समाजवादी पार्टी इसका विरोध करती है। उन्होंने कहा कि लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण को बचाना चाहिए। समाजवादी पार्टी पूरे देश में खेती बचाओ अभियान कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। खेत को बचाना बहुत आवश्यक हैं। भविष्य में खाद्यान्न संकट उत्पन्न होने वाला है। इसके लिए खेती को बचाना होगा। भाजपा सरकार की नीतियां जनविरोधी हैं। लोक सेवा आयोग का रिजल्ट आया कोई भी अनुसूचित जनजाति का कोई भी पीसीएस नहीं बना। जब उत्तराखंड नहीं बना था तब प्रत्येक जिले में अनुसूचित जनजाति को नौकरी मिलती थी।

प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष महंत शुभम गिरी ने कहा कि स्मार्ट मीटर तुगलकी फरमान है। लोगों में विरोध है तो इसे जबरदस्ती नहीं लगाना चाहिए। पहले इलेक्ट्रॉनिक और अब स्मार्ट मीटर ले आए हैं। एक संस्था को इसका ठेका दिया गया है। कुछ दिनों में नया मीटर ले आयेंगे। भाजपा सरकार जनहित के कार्य नहीं करती। इस अवसर पर युवजन सभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष यादव, सौरभ यादव, माधव अंकित यादव, अजय अग्रवाल, रोहित आदि उपस्थित थे।

मां गंगा का दुग्धाभिषेक कर मनाया गया सीएम योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

अक्षय तृतीया घाट भूपतवाला हरिद्वार में उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर माँ गंगा में दुग्ध अभिषेक व दीप प्रज्जवलित कर उनके दीर्घायु की कामना की।

इस अवसर पर पूर्व जिला महामंत्री विदित शर्मा ने कहा कि योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के अंदर जिस प्रकार से कार्य कर रहे हैं, वह प्रशंसनीय व अनुकरणीय है। उनके द्वारा उत्तर प्रदेश का चहुंमुखी विकास किया जा रहा है। अपराध, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में उनकी जितनी भी प्रशंसा की जाये उतना ही कम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जन-जन के लोकप्रिय नेता है। भाजपा मंडल मंत्री विकास गुप्ता ने कहा की भारतीय जानता पार्टी संत महापुरुषों की विरासत है यहाँ बेटी से लेकर सनातन संस्कृति की चिंता योगी आदित्यनाथ जैसे संतों के हाथों में सुरक्षित है। मंडल उपाध्यक्ष विपिन शर्मा ने कहा कि योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में गुंडा राज खत्म हुआ है। इस दौरान गंगा पूजन में भाग लेने वालों महंत हिमानी नंद सरस्वती, वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी, नरेंद्र कुमार, सूरज, नवनीत शर्मा, अनुराग, दीपक, अक्षय गुप्ता, सीता राम, सतनाम सिंह समेत भाजपा कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

पूर्व सीएम भगत सिंह कोश्यारी ने किया वृक्षारोपण, पद्म भूषण सम्मान पर हुआ नागरिक अभिनंदन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आर्य समाज भेल हरिद्वार में वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने कदंब और जामुन के पौधे रोपित कर किया। इस दौरान उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण सम्मान से अलंकृत किए जाने पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों की ओर से भव्य नागरिक अभिनंदन भी किया गया।

आर्य समाज भेल, ट्री ट्रस्ट ऑफ इंडिया, वरिष्ठ नागरिक महासभा एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भगत सिंह कोश्यारी को शॉल, स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि पद्म भूषण सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि पूरे उत्तराखंड की जनता का सम्मान है। उन्होंने विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में युवाओं की सक्रिय भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए नई पीढ़ी को समर्पण भाव से कार्य करना होगा।

उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण और पालन-पोषण भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने युवाओं से स्वामी दयानंद सरस्वती, स्वामी श्रद्धानंद और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के साथ अध्यात्म और भारतीय ज्ञान परंपरा का अध्ययन भी आवश्यक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य समाज भेल के प्रधान बलवीर तलवार ने की, जबकि रानीपुर विधायक आदेश चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विधायक आदेश चौहान ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन को स्वच्छ वायु और स्वस्थ वातावरण प्रदान करते हैं तथा पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

अध्यक्षीय संबोधन में बलवीर तलवार ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस को विश्व यज्ञ दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए, क्योंकि यज्ञ पर्यावरण की शुद्धता और स्वच्छता का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने बताया कि आर्य वीर दल एवं वीरांगना प्रशिक्षण शिविर में 150 से अधिक बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस अवसर पर निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा सेवा प्रदान करने वाले डॉ. केशव कर्णवाल को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मेयर किरण जैसल, भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, श्यामवीर सैनी, जितेंद्र रघुवंशी, सुरेश सुयाल, विजय पाल बघेल, प्रमोद शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आर्य समाज भेल में 30 मई से 7 जून तक आयोजित आर्य वीर दल एवं वीरांगना प्रशिक्षण शिविर में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली से 150 से अधिक बच्चे भाग ले रहे हैं। शिविर में युवाओं को वैदिक संस्कारों, यज्ञ, गायत्री मंत्र, बौद्धिक गतिविधियों तथा लाठी, भाला और तलवार संचालन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित मेगा ड्राइंग प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में स्वर्णिका सैनी, सीनियर वर्ग में आविका आर्या तथा मिश्रित वर्ग में इशिता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में पर्यावरण संरक्षण विषय पर आधारित उत्कृष्ट चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई और विजेताओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ 11 कुंडीय पर्यावरण यज्ञ एवं वृक्षारोपण के साथ हुआ, जबकि शाम को आर्य नगर ज्वालापुर से आर्य समाज भेल तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। पूरे आयोजन में पर्यावरण संरक्षण, वैदिक संस्कृति और राष्ट्र निर्माण का संदेश प्रमुखता से दिया गया।

एक नजर

एसएसपी नवनीत भुल्लर के नेतृत्व में पुलिस लाइन में 200 से अधिक पौधे लगाए

पथ प्रवाह, हरिद्वार। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हरिद्वार पुलिस द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पुलिस लाइन रोशनाबाद में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने किया।

शुक्रवार को साप्ताहिक परेड के उपरांत आयोजित इस कार्यक्रम में एसपी क्राइम, एसपी सिटी सहित अन्य राजपत्रित अधिकारियों और पुलिस कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान पुलिस लाइन परिसर में 200 से अधिक पौधों का रोपण किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसएसपी नवनीत सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वृक्ष मानव जीवन के आधार हैं, जो न केवल शुद्ध वायु प्रदान करते हैं बल्कि पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल कर उन्हें पूर्ण विकसित वृक्ष बनाना भी सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लेना भी उतना ही आवश्यक है।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, हरित वातावरण और स्वच्छ भविष्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी देखभाल करने का संकल्प भी लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित यह पहल हरिद्वार पुलिस की पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचायक रही।

बस हादसे की मजिस्ट्रीयल जांच शुरू

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

सप्तऋषि क्षेत्र में हाइवे पर हुई बस दुर्घटना की मजिस्ट्रीयल जांच शुरू कर दी गई है। उप जिलाधिकारी हरिद्वार योगेश मेहरा ने बताया कि जिला मजिस्ट्रेट हरिद्वार के कार्यालय आदेश दिनांक 01 जून, 2026 के अनुपालन में कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत सप्तऋषि चौकी के समीप श्रीराम पंजाबी ढाबे के पास सर्विस लाइन से हाईवे कट पर बस संख्या-ऋ06-ष्ट-0963 के पलटने से हुई दुर्घटना की मजिस्ट्रियल जांच हेतु उन्हें जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

उन्होंने अवगत कराया है कि उक्त दुर्घटना में कई व्यक्ति गंभीर एवं साधारण रूप से घायल हुए थे। घटना स्थल कोतवाली नगर थाना क्षेत्र में स्थित है। जिला मजिस्ट्रेट के निर्देशानुसार उक्त दुर्घटना की जांच प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति के पास घटना से जुड़ा कोई साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शी बयान अथवा अन्य महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध हो, तो वह संबंधित जानकारी लिखित अथवा मौखिक रूप से 03 दिवस के भीतर तहसील कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। उन्होंने जनपद के नागरिकों से अपील की जाती है कि जांच में सहयोग करते हुए सत्य एवं तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि दुर्घटना के कारणों का समुचित निर्धारण किया जा सके।

हरिद्वार में बारिश से गर्मी से मिली राहत, जलभराव ने बढ़ाई मुसीबत

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

धर्मनगरी हरिद्वार में अचानक मौसम ने करवट ली और झमाझम बारिश ने कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी से लोगों को राहत दिलाई। सुबह तक तेज धूप और उमस का सामना कर रहे लोगों को बारिश के साथ ठंडी फुहारों का एहसास हुआ, लेकिन दूसरी ओर शहर के कई इलाकों में जलभराव की समस्या भी सामने आ गई।

पिछले कई दिनों से हरिद्वार में तापमान लगातार 38 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ था। तेज धूप और लू के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया था। शुक्रवार सुबह करीब साढ़े दस बजे अचानक आसमान में काले बादल छा गए और कुछ ही देर में तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश के चलते मौसम सुहावना हो गया और लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली।

हालांकि तेज बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में पानी भर गया। विशेष रूप से ज्वालापुर क्षेत्र जलभराव से सबसे अधिक प्रभावित रहा। बाजारों और सड़कों पर पानी जमा होने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई दुकानों के सामने पानी भर जाने से व्यापारियों की चिंता भी बढ़ गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि ज्वालापुर बाजार में जलभराव की समस्या वर्षों पुरानी है। हर बार बारिश होते ही सड़कें तालाब का रूप ले लेती हैं। व्यापारियों और क्षेत्रवासियों का आरोप है कि मानसून से पहले नालों की समय पर सफाई नहीं होने के कारण समस्या और गंभीर हो जाती है। उनका कहना है कि अभी मानसून की औपचारिक शुरुआत भी नहीं हुई है और पहली तेज बारिश में ही हालात बिगड़ गए हैं। नगर आयुक्त नंदन कुमार ने बताया कि मानसून से पहले शहर के सभी नालों की सफाई का कार्य शुरू कर दिया गया है और जल्द ही इसे पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जलनिकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने ज्वालापुर क्षेत्र के लिए स्थायी समाधान की मांग करते हुए बड़े और प्रभावी ड्रेनेज प्लान तैयार करने की आवश्यकता बताई है, ताकि हर वर्ष होने वाली इस समस्या से निजात मिल सके।

डीएम मयूर दीक्षित ने रुद्राक्ष के पौधे से दिया हरित भविष्य का संदेश

सिडकुल में 9 हजार पौधों वाला बायोडायवर्सिटी पार्क बना पर्यावरण संरक्षण का मॉडल

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हरिद्वार जनपद में चल रही हरित हरिद्वार मुहिम को आगे बढ़ाते हुए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सिडकुल स्थित लीग्रैंड बायोडायवर्सिटी पार्क में रुद्राक्ष का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में जनपद को हराभरा बनाने और वृक्षारोपण को जन आंदोलन का रूप देने का आह्वान किया गया।

जिलाधिकारी ने विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए जनपदवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा और संवर्धन की जिम्मेदारी भी सभी को निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए यदि कहीं पेड़ों का कटान होता है तो उसकी भरपाई के लिए उससे अधिक संख्या में पौधे लगाए जाने चाहिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि हरिद्वार को हराभरा बनाने के उद्देश्य से गिवमीट्रीज ट्रस्ट और इंडो एशियन कंपनी के सहयोग से सिडकुल क्षेत्र में लीग्रैंड बायोडायवर्सिटी पार्क विकसित किया गया है। पार्क में लगभग 9 हजार पौधों का रोपण किया जा चुका है, जिससे क्षेत्र की जैव विविधता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने विभिन्न औद्योगिक इकाइयों, संस्थाओं और सामाजिक संगठनों से भी अपील की कि वे खाली पड़ी भूमि को विकसित कर वृक्षारोपण करें और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। कार्यक्रम में आरएम सिडकुल कमल किशोर फर्त्याल ने बताया कि सिडकुल द्वारा पार्क के विकास के लिए भूमि उपलब्ध कराई गई, जबकि इंडो एशियन कंपनी ने अपनी सीएसआर योजना के तहत पार्क का विकास कराया। उन्होंने बताया कि वन विभाग के सहयोग से अब तक 9 हजार से अधिक वृक्ष लगाए जा चुके हैं तथा विश्व पर्यावरण दिवस पर 300 से अधिक नए पौधों का रोपण किया गया। गिव मी ट्रीज ट्रस्ट के प्रोजेक्ट हेड जगदीप ठाकुर ने बताया कि ट्रस्ट पिछले 51 वर्षों से वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट आगामी तीन वर्षों तक इस पार्क की देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी निभाएगा।

इस अवसर पर सहायक आयुक्त श्रम प्रशांत कुमार, परियोजना निदेशक नलिनीत घिल्डियाल, एसडीओ वन विभाग पूनम कैंथोला, इंडो एशियन कंपनी के जीएम सरनजीत सिंह, एलजा इंटरनेशनल के एमडी अश्वनी कपूर, यूके मेटल के चेयरमैन राजेन कटोर, प्लांट हेड ए.के. वर्मा, एकम्स के जीएम (एचआर) के.डी. शर्मा, प्रवेश पवार, एच.पी. नौटियाल सहित विभिन्न कंपनियों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

संपादकीय

स्पीकर से निष्पक्षता की उम्मीद नहीं: कश्यप

लोकसभा के पूर्व महासचिव एवं संविधान विशेषज्ञ के रूप में पहचान रखने वाले सुभाष कश्यप का गुरुवार को निधन हो गया है। संविधान और लोकतंत्र को लेकर जिस तरह की चर्चाएं पिछले कुछ वर्षों से चल रहे हैं उसको लेकर उनके निधन के बाद उनकी कही हुई बातों और उनके अनुभव को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। उन्होंने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के साथ भी काम किया था। वर्ष 1953 में वह लोकसभा सचिवालय में पदस्थ हुए थे। आजादी के बाद 1950 में संविधान लागू हुआ था। उसके बाद से संसद ने जिस तरह से काम किया है। संविधान के अनुसार लोकसभा, राज्यसभा और विधान-सभाओं के संचालन के नियम और प्रक्रियाओं को बनाया गया। उनमें संविधान विशेषज्ञ सुभाष कश्यप की एक बड़ी भूमिका थी। अनुभव के आधार पर संसदीय परंपराओं को सशक्त बनाने के लिए समय-समय पर उनके द्वारा जो प्रयास किए गए, उसके कारण सारे देश एवं दुनिया में उनकी एक अलग पहचान बनी थी। संसदीय प्रणाली में जटिल विषयों को उन्होंने एक विशेष तरह से नई दिशा देने का प्रयास किया। उन्होंने कई किताबें लिखीं, जो सारी दुनिया भर में कई भाषाओं में प्रकाशित हुईं। नेशनल बुक ट्रस्ट ने उनकी अवर पार्लियामेंट की जो किताब प्रकाशित की थी, उसने बिक्री का एक नया इतिहास रचा था।

डॉक्टर सुभाष कश्यप ने जब 1985 में दल-बदल कानून पास हुआ, उस समय उन्होंने स्पष्ट राय व्यक्त की थी। उन्होंने स्पष्ट कहा था, कि दल-बदल कानून में स्पीकर को जो अधिकार दिए गए हैं वह ठीक नहीं हैं। इससे इस कानून का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उनका स्पष्ट रूप से मानना था, दल-बदल मामले में चूंकि स्पीकर एक राजनीतिक प्रक्रिया से बहुमत के आधार पर चुनकर आता है, ऐसी स्थिति में उससे निष्पक्षता की उम्मीद करना ठीक नहीं है। वे चाहते थे, कि दल-बदल मामले में चुनाव आयोग अथवा न्यायपालिका का फैसला सही और निष्पक्ष होगा। संसद कानून बनाती है, उनकी राय को कोई महत्व नहीं मिला और आसंदी को ही दल-बदल कानून के अंतर्गत फैसला करने का अधिकार दिया गया। जिसके कारण दल-बदल कानून होते हुए भी धड़ल्ले से सांसद विधायक एक दल छोड़कर दूसरे दल में जा रहे हैं। दल-बदल विधेयक लागू हुए 40 साल का समय हो चुका है, लेकिन दल-बदल के कारण ही कई सरकारें आईं और कई सरकारें चली गईं। आसंदी के द्वारा जो भी फैसले आए हैं वह कभी निष्पक्ष नहीं रहे। स्पीकर के फैसले हमेशा सत्ता पक्ष के साथ देखने को मिले हैं।

इसी प्रकार से सुभाष कश्यप ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों को भी सेवानिवृत्ति के बाद सरकारी पदों पर नियुक्ति करने पर रोक लगाने का सुझाव दिया। लेकिन उनका यह सुझाव कभी माना नहीं गया। वर्तमान संदर्भ में यही कहा जा सकता है, जब नैतिक मूल्य पूरी तरह से समाप्त होते जा रहे हैं। नियम और कानून का पालन अब फायदे के लिए किया जा रहा है, इन्हें अपने फायदे के लिए किस तरह से तोड़ा-मरोड़ा जा सकता है, उस हिसाब से होने लगे हैं। विपक्ष लगातार कई वर्षों से कह रहा है कि संविधान खत्म होता जा रहा है। न्यायपालिका को इसके ऊपर रखते हुए संविधान और मौलिक अधिकारों की रक्षा का अधिकार दिया गया था, वह भी सरकार के दबाव में आकर काम कर रही है। संविधान की आड़ में संवैधानिक संस्थाओं द्वारा जिस तरह की मनमानी की जा रही है। इन सबको लेकर आज जब संविधान और लोकतंत्र खतरे में हो, ऐसे समय पर सुभाष कश्यप की जरूरत ज्यादा थी, तब वह इस दुनिया को छोड़कर चले गए हैं। निश्चित रूप से सुभाष कश्यप के कार्यकाल में संसदीय परंपराओं का विकास हुआ। लोकसभा, राज्यसभा और देश की विधानसभा में नए-नए कानून-कायदे बने। बेहतर ढंग से संसदीय परंपराओं का विकास हुआ, लेकिन जब परिस्थितियां बदल रही हैं ऐसे समय पर उनका चले जाना निश्चित रूप से संविधान, लोकतंत्र और देश में एक नुकसान के रूप में देखा जाएगा। वर्तमान में जिस तरह से वह अपनी बात कह पाते थे, अब ऐसा कोई दूसरा शख्स भारत में नजर नहीं आता है जो उनकी कमी को भर सके।

सिस्टम को हल्के में मत लीजिये

पं. नरेश शर्मा

तंत्र (सिस्टम) का राजनीतिक गठजोड़ या कतिपय कारण से तंत्र का प्रभावित होना न्याय व्यवस्था की विफलता का कारण बन गया है।

सौभाग्यवश हम एक संवैधानिक लोकतंत्र में श्वांस ले रहे हैं। लोकतंत्र में सिस्टम (तंत्र) सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। तंत्र से तात्पर्य है शासन के ऐसे विभिन्न विभाग जो प्रत्यक्षतः जनकल्याण से संबंधित हैं। सामान्य नागरिक के जीवन पर पुलिस,राजस्व,न्याय,स्वास्थ्य, शिक्षा आदि विभाग एवम् स्थानीय प्रशासन सीधा प्रभाव कारित करते हैं और इसका परिणाम स्पष्टतःसमाज में परिलक्षित भी होता है। भारत में कानून का शासन (रूल आफ लॉ) या न्याय का शासन (रूल आफ जस्टिस) है। वर्तमान के ज्वलंत प्रकरण प्रमाण हैं कि इन विभागों के द्वारा कहीं ना कहीं अपनी भूमिका निभाने में कोताही बरती जा रही है जिससे मानव जीवन संकटापन्न हो रहा है।

इन विभागों में से प्रत्येक का रिस्पांस पीरियड (अनुक्रिया/प्रतिक्रिया काल) जीरो होना चाहिए तथा उनकी किसी भी त्रुटि के प्रति शासन के द्वारा जीरो टॉलरेंस (अक्षम्य नीति)अवश्यंभावी है।

मैं मुक्त कंठ से अपने अनुभव के आधार पर यह कहना चाहूंगा कि सिस्टम को हल्के में मत लीजिए यह एक नारा नहीं अपितु प्रशासनिक संस्कार है। हम गुड गवर्नेंस की बात करते हैं वस्तुतः इन विभागों की जवाब देही सुशासन की रीढ़ है। सिस्टम में सुधार आदेश से नहीं अपितु इरादे से होता है। सिस्टम बहाने नहीं रिजल्ट चाहता है। तंत्र को अब रिएक्टिव (प्रतिक्रियात्मक)नहीं अपितु प्रोएक्टिव (पूर्व क्रियात्मक) होना पड़ेगा। लापरवाही अब गलती नहीं अपराध मानी जानी चाहिए। संदेश स्पष्ट हो कि काम करो या हटो, जिम्मेदारी निभाओ या पद छोड़ो। प्रत्येक अधिकारी- कर्मचारी के लिए कुर्सी नहीं जिम्मेदारी बड़ी होना चाहिये। हम प्रायःकानून व्यवस्था पर भी चर्चा करते हैं। एक सभ्य समाज में व्यवस्था आवश्यक है और इसलिए यह कानून में परिलक्षित होती है। इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना एवम् अराजकता को रोकना है।भारत में कानून व्यवस्था बनाए रखना राज्य का विषय है संविधान की अनु.246 एवम् सातवीं अनुसूची की सूची 2 (2) के अनुसार इस हेतु राज्य पुलिस को अधिकार प्राप्त है। कानून का राज तभी होगा जब हमारा तंत्र कानून से ऊपर नहीं होगा। नीति तभी काम करती है जब नियत साफ हो व तंत्र संचालकों की मंशा,चाल-चलन एवं चरित्र पारदर्शी हो।

सिस्टम जनता के लिए है,न कि जनता सिस्टम के लिए। कोई भी नागरिक कानून से बड़ा नहीं है,न ही कानून के नीचे द्य राजनीतिक लाभ हेतु रेवड़ी बांटना या देश के 80 करोड लोगों को मुफ्त राशन और पैसे देने से दैनिक कार्यों में प्रत्यक्ष कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी संदर्भ में देश की सबसे बड़ी अदालत ने शहरी क्षेत्र में बेघर व्यक्तियों के आश्रय के अधिकार से संबंधित एक जनहित याचिका में यह टिप्पणी की है कि लोगों को मुख्य धारा में सम्मिलित करने की अपेक्षा हम उन्हें परजीवियों का एक वर्ग तो नहीं बना रहे हैं !

आत्मनिर्भर भारत की नई उड़ान सूरत से विकास और रक्षा शक्ति का बड़ा संदेश

कांतिलाल मांडोत

5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गुजरात दौरा केवल विकास परियोजनाओं के उद्घाटन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत, आधुनिक बुनियादी ढांचे और स्वदेशी रक्षा उत्पादन की बढ़ती ताकत का भी प्रतीक बनकर सामने आया। सूरत में आयोजित विशाल कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने लगभग 18,800 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को देश के भविष्य की आवश्यकता बताते हुए कहा कि जो राष्ट्र दूसरों पर निर्भर रहते हैं, वे कभी विकसित नहीं बन सकते। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ निराशावादी लोग आत्मनिर्भर भारत अभियान का मजाक उड़ाते हैं, लेकिन आज भारत अपनी क्षमता और सामर्थ्य के दम पर दुनिया में नई पहचान बना रहा है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में सूरत की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि यह शहर केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं बल्कि एक जीवंत भावना है। स्वच्छता, उद्योग, व्यापार और नवाचार के क्षेत्र में सूरत ने पूरे देश के लिए एक आदर्श स्थापित किया है। लगातार स्वच्छता पुरस्कार जीतने वाला यह शहर विकास और जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बन चुका है। उन्होंने कहा कि गुजरात और विशेष रूप से सूरत ने भारत की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और आने वाले वर्षों में इसकी भूमिका और भी बढ़ने वाली है।

अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दुनिया ने अनेक संकटों का सामना किया है। कोरोना महामारी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया था और अब तेल, गैस तथा ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ी चुनौतियां कई देशों के सामने खड़ी हैं। ऐसे कठिन समय में भारत ने अपनी जनता और संसाधनों के बल पर मजबूती से मुकाबला किया है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक शक्ति ने देश को इन संकटों से उबारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सूरत दौरे का सबसे महत्वपूर्ण और चर्चित हिस्सा प्रधानमंत्री का लार्सन एंड टुब्रो के आर्मुड सिस्टम्स कॉम्प्लेक्स का दौरा रहा। यहां उन्होंने भारत में निर्मित आधुनिक टैंक, ड्रोन और अन्य रक्षा उपकरणों का अवलोकन किया। प्रधानमंत्री ने रक्षा विशेषज्ञों और कंपनी अधिकारियों से इन अत्याधुनिक प्रणालियों की तकनीकी जानकारी प्राप्त की। यह दौरा केवल एक औपचारिक निरीक्षण नहीं था बल्कि देश की रक्षा उत्पादन क्षमता और आत्मनिर्भरता की दिशा में हो रही प्रगति का प्रदर्शन भी था।

लार्सन एंड टुब्रो का यह रक्षा निर्माण केंद्र भारत के सबसे आधुनिक रक्षा उत्पादन परिसरों में गिना जाता है। यहां सेना के लिए बख्तरबंद वाहन, तोप प्रणालियां, सैन्य प्लेटफॉर्म और अनेक अत्याधुनिक उपकरणों का निर्माण, संयोजन और परीक्षण किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने रक्षा क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम करने और स्वदेशी उत्पादन बढ़ाने पर विशेष जोर दिया है। प्रधानमंत्री का यह दौरा उसी रणनीति की सफलता का प्रतीक माना जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी प्रमुखता से दिखाई दिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजन में आने वाले कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को साइकिल तथा इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। आम नागरिकों की सुविधा के लिए सूरत नगर निगम ने 450 से अधिक इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी स्वयं अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों के साथ लगभग साढ़े पांच किलोमीटर साइकिल चलाकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे। यह पहल पर्यावरण संरक्षण और हरित परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई।

प्रधानमंत्री ने सूरत में सड़क, बिजली और औद्योगिक विकास से जुड़ी अनेक परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य गुजरात के औद्योगिक ढांचे को और मजबूत करना तथा क्षेत्रीय संपर्क को बेहतर बनाना है। उन्होंने वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेसवे के दो महत्वपूर्ण पैकेजों का उद्घाटन किया। इसके अलावा अनेक बड़े और छोटे पुल, रेलवे ओवरब्रिज, फ्लाईओवर तथा लगभग 70 अंडरपास परियोजनाओं को जनता को समर्पित किया गया।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की लगभग 4,732 करोड़ रुपए की चार नई परियोजनाओं का शिलान्यास भी इस अवसर पर किया गया। इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग-56 पर धामासिया से बिटाडा तक चार लेन सड़क निर्माण, नसरपोर से मलोथा तक चार लेन मार्ग का विकास, रिलायंस क्षेत्र के निकट छह लेन वाहन अंडरपास तथा राष्ट्रीय राजमार्ग-53 के सूरत-हजीरा खंड पर कावास में वाहन अंडरपास सह फ्लाईओवर का निर्माण शामिल है। इन परियोजनाओं से औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलने के साथ-साथ यातायात सुगम होगा और व्यापारिक परिवहन की लागत में भी कमी आएगी।

सूरत कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री ने दमन से लक्षद्वीप के लिए लगभग 885 करोड़ रुपए की बंदरगाह और पर्यटन परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन भी किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य द्वीपीय क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करना, पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना है। केंद्र सरकार का मानना है कि बेहतर बंदरगाह और पर्यटन अवसंरचना लक्षद्वीप को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिला सकती है।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में यह भी कहा कि भारत आज जिस गति से विकास कर रहा है, उसके पीछे आत्मविश्वास, नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना है।

आँकड़ों की कसौटी पर खरा उतरा 'पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना'

विनोद टाकियावाला

भारत आज जिस विकसित राष्ट्र के स्वप्न को साकार करने की दिशा में अग्रसर है,उसमें ऊर्जा आत्मनिर्भरता एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधारशिला के रूप में उभर रही है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति,औद्योगिक विकास, पर्यावरणीय संतुलन और नागरिक जीवन की गुणवत्ता काफी हद तक उसकी ऊर्जा व्यवस्था पर निर्भर करती है। बीते वर्षों में भारत ने ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं,लेकिन बढ़ती जनसंख्या,तीव्र शहरीकरण और निरंतर बढ़ती बिजली मांग ने नीति निर्माताओं के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। ऐसे समय में प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना केवल एक सरकारी योजना नहीं,बल्कि ऊर्जा क्षेत्र में जनभागीदारी पर आधारित एक व्यापक परिवर्तनकारी अभियान के रूप में सामने आई है।जून 2026 में इस योजना के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उपलब्ध आधिकारिक आँकड़े, जमीनी अनुभव और लाभार्थियों की प्रतिक्रियाएँ इस बात की पुष्टि करती हैं कि यह योजना देश में स्वच्छ ऊर्जा क्रांति की मजबूत आधारशिला बन चुकी है। फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य केवल सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना नहीं था, बल्कि आम परिवारों को ऊर्जा उत्पादक बनाना,उनके बिजली व्यय को कम करना तथा देश को स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा व्यवस्था की ओर अग्रसर करना भी था। दो वर्षों के भीतर इस योजना ने जिस गति से प्रगति की है, वह इसे स्वतंत्र भारत की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा योजनाओं में स्थान दिलाती है।योजना की मूल अवधारणा अत्यंत सरल किंतु दूरगामी प्रभाव वाली है। देश के एक करोड़ परिवारों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर उन्हें अपने उपयोग की बिजली स्वयं उत्पन्न करने में सक्षम बनाना तथा अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर आय अर्जित करने का अवसर उपलब्ध कराना इसका प्रमुख लक्ष्य है।केंद्र सरकार ने इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के लिए 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। यह राशि केवल एक वित्तीय निवेश नहीं बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में किया गया दीर्घकालिक राष्ट्रीय निवेश है।दो वर्षों के भीतर प्राप्त उपलब्धियाँ इस योजना की सफलता की कहानी स्वयं बयान करती हैं। मार्च 2026 तक देशभर में 26 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके थे और लाभार्थियों को लगभग 18 हजार करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी थी। इससे स्पष्ट है कि योजना केवल कागजों तक सीमित नहीं रही, बल्कि करोड़ों नागरिकों के जीवन में प्रत्यक्ष परिवर्तन का माध्यम बनी है। उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि देश में प्रतिदिन लगभग 4500 नए सौर संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। यह गति दर्शाती है कि आम जनता के बीच योजना की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है।यदि इस योजना की सफलता को केवल स्थापित संयंत्रों की संख्या से नहीं बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव से देखा जाए तो तस्वीर और भी प्रभावशाली दिखाई देती है। आज देश में लाखों परिवार ऐसे हैं जिनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। सरकारी सर्वेक्षणों से यह तथ्य सामने आया है कि योजना से जुड़े लगभग 71 प्रतिशत परिवारों ने अपने बिजली व्यय में स्पष्ट बचत का अनुभव किया है। यही नहीं, लाखों परिवार ऐसे भी हैं जिनका मासिक बिजली बिल शून्य या नगण्य स्तर तक पहुँच गया है।ऐसे समय में जब घरेलू बजट पर महंगाई का दबाव बना हुआ है, बिजली बिल में होने वाली यह बचत सीधे परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का कार्य कर रही है।

इस योजना का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसने ऊर्जा क्षेत्र को लोकतांत्रिक स्वरूप प्रदान किया है। लंबे समय तक बिजली उत्पादन केवल बड़े बिजलीघरों, सरकारी संस्थानों और निजी कंपनियों तक सीमित रहा। आम नागरिक बिजली का उपभोक्ता मात्र था।प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना ने इस व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया है।अब नागरिक केवल बिजली उपभोक्ता नहीं बल्कि ऊर्जा उत्पादक भी बन रहा है।यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।योजना की सफलता का एक बड़ा कारण इसकी पारदर्शी और डिजिटल कार्यप्रणाली भी है। आवेदन से लेकर स्वीकृति, स्थापना,निरीक्षण और सब्सिडी वितरण तक की अधिकांश प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है।इससे पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार तथा अनावश्यक देरी की संभावनाएँ कम हुई हैं।लाभार्थियों को सीधे बैंक खातों में सहायता राशि प्राप्त होने से व्यवस्था पर विश्वास भी मजबूत हुआ है।

राज्यों के प्रदर्शन पर दृष्टि डालें तो गुजरात इस योजना का सबसे सफल मॉडल बनकर सामने आया है। राज्य में पाँच लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं और लाखों परिवार इसका लाभ प्राप्त कर रहे हैं। महाराष्ट्र तथा उत्तर प्रदेश भी तेजी से आगे बढ़े हैं। राजस्थान, केरल, तमिलनाडु और हरियाणा जैसे राज्यों ने भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है।इन राज्यों की सफलता बताती है कि जहाँ प्रशासनिक सक्रियता, जनजागरूकता और वितरण कंपनियों का सहयोग बेहतर रहा, वहाँ योजना के परिणाम भी अधिक प्रभावशाली रहे हैं।हालाँकि उपलब्धियाँ जितनी उत्साहजनक हैं,चुनौतियाँ भी उतनी ही वास्तविक हैं।सर्वेक्षणों में पाया गया कि बड़ी संख्या में लोग अभी भी रूफटॉप सोलर प्रणाली की तकनीकी कार्यप्रणाली को पूरी तरह नहीं समझते। अनेक परिवार इसे बिजली कटौती के समय बैकअप स्रोत मानते हैं,जबकि सामान्य ग्रिड आधारित प्रणाली बिना बैटरी के ऐसा नहीं कर सकती। इसी प्रकार अनेक संभावित लाभार्थियों को उपलब्ध ऋण सुविधाओं और वित्तीय विकल्पों की जानकारी भी नहीं है। इसलिए योजना के अगले चरण में जागरूकता और तकनीकी परामर्श की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगी।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी इस योजना का महत्व असाधारण है।

हरित हरिद्वार अभियान के तहत जनपद में एक दिन में रोपे गए 15 हजार से अधिक पौधे

अखाड़ों, साधु-संतों, स्वयंसेवी संस्थाओं, आमजन व सभी सरकारी अधिकारियों-कर्मचारियों की रही सक्रिय भागीदारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद हरिद्वार में 'हरित हरिद्वार' अभियान के तहत व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। हरित हरिद्वार कार्यक्रम की सफलता के लिए पूरे जनपद में यह अभियान नोडल अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र के समन्वय (कोऑर्डिनेशन) में संचालित किया गया, जिसमें समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

अभियान का शुभारंभ कुंभ मेलाधिकारी सोनिका द्वारा बोगनविलिया का पौधा रोपित कर किया गया, जबकि जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने रुद्राक्ष का पौधा लगाकर जनपदवासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अभियान के अंतर्गत जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के किनारे, सरकारी परिसरों, विद्यालयों, अखाड़ों, आश्रमों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर वृक्षारोपण किया गया। विशेष रूप से अखाड़ों एवं आश्रमों में साधु-संतों ने अपने अनुयायियों के साथ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण को आध्यात्मिक दायित्व के रूप में अपनाने का संदेश दिया। इस अभियान के दौरान पूरे जनपद में 15 हजार से अधिक पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों, आमजन तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। साथ ही समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए विभिन्न स्थलों पर पौधारोपण किया।

कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने पौधारोपण के साथ-साथ उनकी सुरक्षा एवं देखभाल का संकल्प लिया। जनपद प्रशासन ने अपील की कि लगाए गए पौधों को संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है, जिससे हरिद्वार को एक स्वच्छ, सुंदर एवं हराभरा जनपद बनाया जा सके। इस अवसर पर राष्ट्रीय राजमार्ग के मध्यवर्ती डिवाइडर को आकर्षक हरित पट्टी के रूप में विकसित करने के लिए एनएचआईटी के सहयोग से बड़ी संख्या में बोगनविलिया के पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इन पौधों की समुचित देखभाल और संरक्षण का भी संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर मेलाधिकारी सोनिका ने कहा कि 'हरित हरिद्वार' अभियान केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आगामी कुंभ मेले और आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण संरक्षण का एक व्यापक जनआंदोलन है। उन्होंने कहा कि कुंभ नगरी को हराभरा बनाने के लिए जनसहभागिता को अभियान का सबसे महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है। आम नागरिकों द्वारा सुझाए गए स्थानों पर भी वृक्षारोपण किया जाएगा, जिससे समाज का प्रत्येक वर्ग इस अभियान से सीधे तौर पर जुड़ सके।

उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण और देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। मेलाधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत ऐप आधारित ट्रैकिंग एवं मॉनिटरिंग प्रणाली विकसित की गई है, जिसके माध्यम से लगाए गए पौधों की नियमित निगरानी की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे पौधारोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाएं और इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

कार्यक्रम में हरित हरिद्वार अभियान के नोडल अधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, जिला प्रशासन, एचआरडीए, एनएचएआई और एनएचआईटी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ शांतिकुंज तथा देव संस्कृति विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने भी पौधारोपण किया।

व्यापारियों के विरोध के बावजूद तीसरे दिन भी सख्ती से हटाया गया अतिक्रमण

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में उप जिलाधिकारी मुख्यालय / नगर मजिस्ट्रेट हर गिरी के नेतृत्व में वाल्मीकि चौक (ललतारौ पुल) से देवपुरा चौक तक तथा हरकी पौड़ी से वाल्मीकि चौक तक उप जिलाधिकारी योगेश मेहरा के नेतृत्व में नगर निगम, पुलिस एवं जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है।

सरकारी भूमि पर किसी भी दशा में कोई अतिक्रमण न हो इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा निर्देश दिए गए है, मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जनपद में आज तीसरे दिन भी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों,नगर निगम एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि किसी भी सरकारी भूमि,सड़क, फुटपाथ एवं नालियों के ऊपर अतिक्रमण न हो,जो भी अतिक्रमण किया गया है,उससे हटाने के निर्देश दिए गए है। जिलाधिकारी ने वर्तमान में चल रही चार धाम यात्रा एवं आगामी कांवड़ मेले को सुव्यवस्थित एवं सुगम संचालित करने के लिए एव यात्रियों के आवागमन में कोई परेशानी एवं असुविधा न हो तथा जनपद में जाम की स्थित न हो इसके दृष्टिगत सड़क किनारे, नालियों एवं फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए गए है।

आज नगर मजिस्ट्रेट हर गिरी की नेतृत्व में वाल्मीकि चौक(ललतारौ पुल) से देवपुरा चौक तक अतिक्रमण अभियान चलाया गया,जिसमें 70 से अधिक अतिक्रमण को हटाया गया तथा उप जिलाधिकारी योगेश मेहरा के नेतृत्व में हर की पौड़ी से वाल्मीकि चौक(ललतारौ पुल) तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया,जिसमें 50 से अधिक अतिक्रमण को हटाया गया।इस अभियान में नगर निगम,पुलिस एवं जिला प्रशासन ,एसएसबी एवं सेना के जवानों की देखरेख में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया।जिसमें नालियों /फुटपाथ के ऊपर किए गए अवैध कब्जे को हटाया गया तथा नालियों के ऊपर बनाए गए खोखे एवं ढाबों को हटाते हुए ध्वस्त किया गया।

नगर निगम एवं जिला प्रशासन की ओर से सभी संबंधित व्यक्तियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि भविष्य में नाली के ऊपर अथवा नाली की सीमा से बाहर किसी भी प्रकार का सामान, निर्माण सामग्री अथवा व्यावसायिक सामग्री रखी जाती है तो उसे तत्काल जब्त करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। साथ ही बार-बार अतिक्रमण किए जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध तहरीर देकर विधिक कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाएगी।

अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान सिटी उप नगर आयुक्त दीपक गोस्वामी, उप नगर आयुक्त महेंद्र यादव, सफाई निरीक्षक धीरेन्द्र सेमवाल एवं मुख्य सफाई निरीक्षक संजय शर्मा सहित पुलिस प्रशासन तथा नगर निगम हरिद्वार की टीम उपस्थित रही। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनहित एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

रुड़की तहसील में चलाया गया अभियान

संयुक्त मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र सेठ ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में अपर तहसीलदार के नेतृत्व में राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलौर से कोर कॉलेज के मध्य अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान लगभग 50 से अधिक अस्थाई अतिक्रमण ध्वस्त किया गए इसके अतिरिक्त धनौरी क्षेत्रांतर्गत यूपी सिंचाई विभाग की टीम के साथ तहसीलदार के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया ,जिसमें सड़क,नालों,फुटपाथ एवं सरकारी भूमि पर किए गए 20 से अधिक अवैध झुग्गियों को ध्वस्त किया गया। इस अभियान में अपर तहसीलदार कानूनगो, राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

लक्सर खानपुर क्षेत्रांतर्गत चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान

उप जिलाधिकारी लक्सर अनिल शुक्ला ने अवगत कराया है कि उनके नेतृत्व में तहसीलदार एवं पुलिस टीम के साथ आज लक्सर से खानपुर क्षेत्रांतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया,इस दौरान लगभग 25 से अधिक अतिक्रमण कोध्वस्त किया गया ,जिसमें 05 लोगों के चालान भी किए गए तथा सभी लोगों को चेतावनी दी गए कि सड़क किनारे,फुटपाथ एवं नालियों के ऊपर किसी भी दशा में अतिक्रमण न किया जाए। इस दौरान तहसील प्रशासन,नगर पालिका,पुलिस सहित समंधित अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

तहसील भगवानपुर नगर पंचायत क्षेत्रांतर्गत चलाया गया अभियान

उप जिलाधिकारी भगवानपुर देवेंद्र सिंह नेगी ने अवगत कराया है कि तहसीलदार दयाराम के नेतृत्व में आज खानपुर अन्डरपास से रायपुर पेट्रोल पंप तक चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान लगभग 30 लोगों का सामान जब्त किया गया तथा 09 लोगों के 17500 के चालान भी किए गए।अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत सड़क,नालियों एवं फुटपाथ के ऊपर से अतिक्रमण हटाया गया। इस दौरान नगर पंचायत के अधिकारी, पुलिस की टीम एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चारधाम यात्रा: पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर इकाइयों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की सख्त कार्रवाई

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिलाधिकारी हरिद्वार मयूर दीक्षित के निर्देशों के क्रम में चारधाम यात्रा-2026 को दृष्टिगत रखते हुए आज जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी महिमानन्द जोशी के निर्देशन में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप जैन के नेतृत्व में, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेन्द्र पाण्डेय के साथ सिडकुल बहादराबाद स्थित पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर निर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान कुल 03 निर्माण इकाइयों का परीक्षण किया गया, जिनसे जनपद हरिद्वार सहित चारधाम यात्रा मार्गों पर पेयजल की आपूर्ति की जाती है। मौके पर 01 लीटर की पैकड पानी की 02 बोतलों के नमूने लेकर उन्हें परीक्षण हेतु राजकीय खाद्य प्रयोगशाला, रुद्रपुर भेजा गया।

जांच के दौरान आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत न करने, ह्रड 14543 मानक के अनुरूप जल गुणवत्ता रिपोर्ट न होने, लॉट नंबर से संबंधित लैब रिपोर्ट, इन-हाउस टेस्टिंग रिकॉर्ड, तथा प्लास्टिक बोतलों के फूड ग्रेड एवं माइग्रेशन सर्टिफिकेट उपलब्ध न कराने पर तीनों इकाइयों को स्वस्थस्थ्स पोर्टल के माध्यम से नोटिस जारी किए गए। एक इकाई में स्वच्छता मानकों का उल्लंघन एवं गंदगी पाए जाने पर तीन दिवस के भीतर सुधार के निर्देश दिए गए।

इसी क्रम में दिनांक 26 मई 2026 को हरिद्वार-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित महादेव ढाबा के पास इंग्लिश वाइन शॉप परिसर में संचालित मैसर्स सरकारी कैंटीन का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान लगभग 4.5 किलोग्राम बासी एवं दुर्गंधयुक्त उबले काले चने पाए गए, जिन्हें तत्काल नष्ट कराया गया। साथ ही पानी की जांच रिपोर्ट, कर्मचारियों के मेडिकल एवं वैक्सीनेशन प्रमाणपत्र तथा पेस्ट कंट्रोल रिकॉर्ड प्रस्तुत न करने पर संबंधित संचालक के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत दिनांक 02 जून 2026 को न्यायालय में वाद दायर किया गया है।

इसके अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा अधिकारी पवन कुमार के नेतृत्व में निर्मल छावनी, लोधा मंडी एवं अपर रोड क्षेत्र में खाद्य प्रतिष्ठानों, रेस्टोरेंट, ढाबों एवं डेयरियों का निरीक्षण किया गया। कुल 09 प्रतिष्ठानों की जांच में 02 को मानकों के अनुपालन हेतु नोटिस जारी किए गए तथा 01 खाद्य कारोबारी के विरुद्ध बिना लाइसेंस संचालन पर चालान की कार्रवाई की गई।

एक नजर

चारधाम यात्रा के लिए 7242 ने कराया पंजीकरण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार ऋषिकुल मैदान में बनाए गए यात्री पंजीकरण केंद्र में आज चारधाम यात्रा के लिए 7242 यात्रियों ने अपना पंजीकरण कराया। यमुनोत्री धाम के लिए 1370, गंगोत्री धाम के लिए 1451, केदारनाथ धाम के लिए 2040, बद्रीनाथ धाम के लिए 2315, हेमकुंड साहिब के लिए 66 ने अपना पंजीकरण कराया। इस तरह 7242 विभिन्न राज्यों से आए यात्रियों द्वारा चारधाम के लिए आज अपना पंजीकरण कराया गया। ऋषिकुल मैदान यात्री पंजीकरण केंद्र से अब तक कुल 3 लाख 85 हजार 290 यात्रियों ने चारधाम यात्रा के लिए अपना पंजीकरण कर चुके है।

अल्ट्रा साउंड केंद्रों पर स्वास्थ्य विभाग की टीम का छापा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पीसीपीएनडीटी अधिनियम के अंतर्गत जिला स्तरीय एवं राज्य स्तरीय संयुक्त टीम द्वारा मंगलौर एवं जबरेड़ा क्षेत्र के अल्ट्रासाउंड केंद्र का निरीक्षण किया गया, जिसमें जबरेड़ा स्थित प्रज्ञा हॉस्पिटल एवं अल्ट्रासाउंड केंद्र में भारी अनियमितताएं पाई गई। जांच के दौरान अधिनियम के अंतर्गत रिकॉर्ड कर रखा रखाव सही नहीं पाया गया, जिसमें अल्ट्रासाउंड फॉर्म एफ, अल्ट्रासाउंड रजिस्टर, चिकित्सा का नाम प्रदर्शित नहीं किया गया था, समस्त गर्भवती महिलाओं के फॉर्म में नहीं भरे जा रहे थे। अल्ट्रासाउंड हेतु चिकित्सक द्वारा रेफर करने संबंधी समस्त अभिलेख नहीं पाए गए, चिकित्सक से पूछे जाने पर उनके द्वारा कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया। भारी अनियमितताएं पाए जाने पर केंद्र में स्थापित अल्ट्रासाउंड मशीन को तत्काल सील करने की कार्रवाई की गई। चिकित्सालय के अल्ट्रासाउंड सेवाओं को तत्काल स्थगित किया गया, संयुक्त दल द्वारा मंगलोर क्षेत्र के केंद्र संतोष क्लिनिक में भी निरीक्षण किया गया जिसमें केंद्र में कुछ अल्ट्रासाउंड बिना किसी चिकित्सक के रैफरल के किए गए थे जिस कारण केंद्र को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्णय लिया गया।

स्वर्गीय भुवन चंद खण्डूडी को सभा में दी गई श्रद्धांजलि

पथ प्रवाह, कोटद्वार। कोटद्वार के दुर्गापुरी स्थित हल्दी हाथ वेडिंग प्वाइंट में मेजर जनरल (से. नि.) स्व. भुवन चंद्र खण्डूडी, ए.वी.एस.एम. की श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। श्रद्धांजलि सभा में कोटद्वार एवं आसपास के क्षेत्रों से आए विभिन्न सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित हुए मनिन्दरजीत सिंह बिट्टा ने सभा को संबोधित करते हुए स्व. भुवन चंद्र खण्डूडी के राष्ट्र एवं समाज के प्रति योगदान को स्मरण किया तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। सभा को संबोधित करते हुए अजय कोठियाल ने कहा कि स्व. भुवन चंद्र खण्डूडी का जीवन राष्ट्रसेवा, अनुशासन और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण था। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श और कार्य आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करते रहेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए ऋतु खण्डूडी भूषण ने अपने पिता से जुड़ी स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि उन्हें स्व. भुवन चंद्र खण्डूडी जी की पुत्री होने पर गर्व और गौरव का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि उनके पिता का अनुशासन, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और समाज के प्रति उत्तरदायित्व भाव उनके जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा है। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्व. भुवन चंद्र खण्डूडी जी के योगदान को याद करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का समापन उनकी पुण्य स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर किया गया।

सल्ट में विवाहिता की संदिग्ध मौत, पति पर हत्या का आरोप

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। सल्ट विकासखंड की खुमाड़ ग्रामसभा में एक 25 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका के परिजनों ने उसके पति पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद आरोपी पति फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार गुरुवार रात घटना की सूचना मिलने पर सल्ट थानाध्यक्ष कश्मीर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार को रानीखेत से क्षेत्राधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। वहीं तहसीलदार आबिद अली की मौजूदगी में पंचनामा की कार्रवाई पूरी कराई गई। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में महिला की मौत मारपीट के कारण होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना के बाद आरोपी पति घर से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये पौधों रोपण जरूरी: श्रीमहंत रविन्द्रपुरी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मंसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत डा. रविन्द्रपुरी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर जल, जंगल व जमीन बचाने की अपील की है। निरंजनी अखाड़े के चरण पादुका के मंदिर प्रांगण में संत महापुरुषों एवं प्रशासन ने संयुक्त रूप से पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर श्रीमहंत रविन्द्रपुरी महाराज ने कहा कि जल, जंगल व जमीन को बचाने की आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये पौधों का रोपण जरूरी है। मनुष्य की सास पौधों पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि धरती पर पौधे होगे तो मनुष्य जीवन सुरक्षित रहेगा। श्रीमहंत रविन्द्रपुरी महाराज ने कहा कि कुंभ मेला आयोजन के दौरान लगाये गये पौधों की सुरक्षा होनी चाहिए। अगले कुंभ में वह पौधे वृक्ष के रूप में दिखने चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अधिक से अधिक पौधे लगाकर जीवन को सुरक्षित करें। उन्होंने कहा कि पौधा रोपण अभियान वृह्द स्तर पर किया जाना चाहिए। हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण के द्वारा पौधा रोपण अभियान को लेकर लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। निश्चित रूप से यह अभियान सफल होगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक संस्थाएं स्कूल, कॉलेजों द्वारा पौधा रोपण अभियान के लिय युवा पीढ़ी को प्रेरित करना चाहिए। जिससे पेड़ों के प्रति लोगों का प्रेम बढ़े और धरती पर अधिक से अधिक पौधे लगाये जा सके। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि संकल्प लेकर पौधा रोपण अभियान चलाया जाना चाहिए। पौधों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाये। संत समाज समय-समय पर पौधा रोपण अभियान चलाकर अपने सामाजिक अभियान चलाकर दायित्व को निभा रहा है। अपर मेलाधिकारी सरदार मनजीत सिंह, तहसीलदार सचिन कुमार ने भी पौधा रोपण अभियान में हिस्सा लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस पर सभी 13 अखाड़ों में पौधा रोपण किया गया है। संतों ने बढ चढकर अपनी हिस्सेदारी निभाई है। मेलाधिकारी सोनिका सिह हरिद्वार को हरा-भरा बनाने की मुहिम चला रही है। उन्होंने कहा कि धर्मनगरी को हरा-भरा बनाने के लिए एक जुटता दिखानी होगी, पौधों की सुरक्षा स्वयं करनी होगी। अधिक से अधिक पौधे लगाये जाये जिससे बढते प्रदूषण को कम किया जा सके। प्रशासन द्वारा पौधा रोपण के लिय लगातार जन जागरुता फैलाई जा रही है। इस अवसर पर श्रीमहंत रामरतन गिरी, महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी, महामंडलेश्वर साध्वी भगवती पुरी, महंत राज गिरी, विकास शर्मा आदि मौजूद रहे।

उपाध्यक्ष देशराज कर्णवाल ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

समाज कल्याण योजनाएं एवं अनुश्रवण समिति, उत्तराखण्ड सरकार के उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री स्तर) देशराज कर्णवाल ने ग्राम खाताखेड़ी में आयोजित जनसमस्या समाधान एवं जनसंवाद शिविरों में प्रतिभाग कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं।

ग्रामवासियो ने देशराज कर्णवाल का स्वागत ढ़ोल-नागाड़े के साथ किया। वृक्षारोपण दिवस के मौके पाए वृक्षरोपण करके कार्यक्रम की सुरुआत की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत उपाध्यक्ष ने जूनियर हाई स्कूल खाताखेड़ी में आयोजित शिविर में उपस्थित होकर ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया।

शिविर के दौरान भोजन माताओ और आशाओ का वेतन बढ़ाने, शौचालय और आवास निर्माण, विधवा पेंशन, और राशन कार्ड सहित विभिन्न जनहित से जुडी 20 शिकायत और समस्याएं सामने आई। उपाध्यक्ष ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कर्णवाल जी ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार गांव, गरीब, किसान एवं जरूरतमंद नागरिकों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों एवं जिला मुख्यालयों के चक्कर लगाने से राहत प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी के नेतृत्व में सरकार जनहित एवं सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

संयुक्त मजिस्ट्रेट रुड़की और राजस्व अधिकारियों ने किया पौधारोपण

पथ प्रवाह, रुड़की।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संयुक्त मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक रामचन्द्र शेट के आवास परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संयुक्त मजिस्ट्रेट श्री शेट ने उप जिलाधिकारी भगवानपुर, तहसीलदार रुड़की एवं अपर तहसीलदार रुड़की के साथ मिलकर पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास के महत्व पर बल देते हुए कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनका संरक्षण एवं संवर्धन भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

संयुक्त मजिस्ट्रेट दीपक रामचन्द्र शेट ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने भी अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं स्वच्छ वातावरण का संदेश दिया गया तथा सभी नागरिकों से पौधारोपण अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की गई।

एसएसपी डॉ मंजूनाथ टीसी की पुलिस टीम ने दबोचे दो स्मैक तस्कर, कीमत 1.85 करोड़

पथ प्रवाह, नैनीताल

एसएसपी मंजूनाथ टीसी के कुशल नेतृत्व में नैनीताल पुलिस मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के 'मिशन ड्रग फ्री देवभूमि' ऑपरेशन प्रहार को साकार करने में जुटी है। इसी क्रम में नैनीताल की एसओजी एवं कोतवाली काठगोदाम की पुलिस टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर 1.85 करोड़ रुपये कीमत की 618 ग्राम स्मैक के साथ 02 तस्करों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। एसएसपी ने टीम को इस सराहनीय कार्य करने के लिये 2500/-रू0 की नकद धनराशि से पुरस्कृत करने की घोषणा की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ मंजूनाथ टीसी जनपद की कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए संजीदगी से कार्य कर रहे है। इसी के साथ जनपद के समस्त थाना प्रभारियों/एसओजी नैनीताल/एएनटीएफ को प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए नशे की तस्करी पर अंकुश लगाने एवं तस्करों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

इसी क्रम में मनोज कुमार कत्याल, पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी एवं अमित कुमार, क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी के पर्यवेक्षण तथा जसवीर चौहान, प्रभारी निरीक्षक काठगोदाम, मोहन सिंह सौन प्रभारी एसओजी के नेतृत्व में थाना काठगोदाम पुलिस एवं एसओजी टीम द्वारा काठगोदाम क्षेत्र में संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया।

04 जून 2026 को थाना काठगोदाम पुलिस एवं (एसओजी) की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर काठगोदाम क्षेत्र में चैकिंग के दौरान पश्चिमी खेड़ा स्थित इण्डियन ऑयल पेट्रोल पम्प के पास निर्माणाधीन बिल्डिंग के निकट से 02 अभियुक्तों को कुल 618 ग्राम स्मैक की तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया गया, जिसके आधार पर अभियुक्तों के विरुद्ध कोतवाली काठगोदाम पर एफआईआर नं 75/26 धारा 8/21/60 एनडीपीएस अधि0 पंजीकृत किया गया हैं।

गिरफ्तारी एवं बरामदगीः-

1-गजब सिहं (उम्र 27 वर्ष) पुत्र गंगो सिंह निवासी अटलबन्द धऊ पासा भरतपुर राजस्थान-311 ग्राम स्मैक

2. सीता राम (उम्र 37 वर्ष) पुत्र गंगो सिंह निवासी उपरोक्त-307 ग्राम स्मैक

कुल 618 ग्राम स्मैक (डाईएसोटाईल मोर्फिन) मय एक वाहन सं0. ऋ्ष्ठ 05-ष्ट्ट-8027 हुडंई औरा मय एक अदद इलेक्ट्रानिक तराजू बरामद किया गया।

पूछताछ अभियुक्तः-

पूछताछ में अभियुक्त सीता राम द्वारा बताया गया कि गजब सिंह उसका सगा भाई है जो आरओ प्लांट भरतपुर राजस्थान में कार्य करता है। अभियुक्त सीता राम टैक्सी चालक है, जिसका जाडापानी मुक्तेश्वर में ससुराल है। बीते रात वे दोनों अपने मामा की टैक्सी लेकर राजस्थान से हल्द्वानी आया थे। काठगोदाम रेलवे स्टेशन पर रात में किसी व्यक्ति को देकर मुक्तेश्वर स्थित अपने ससुराल जाने की योजना बनाई थी।

अभियुक्त का आपराधिक इतिहासः-

अभियुक्त गजब सिंह के विरुद्ध थाना अटलबन्द भरतपुर राजस्थान में करीब चार मुकदमे दर्ज है। जबकि अभियुक्त सीता राम के आपराधिक इतिहास के सम्बन्ध में जानकारी की जा रही है ।

वर्ष-2026 की कुल कार्यवाही का विवरण

1- चरस कुल 11 अभियोग पंजीकृत कर 18 अभियुक्तों को गिरफ्तार कब्जे से 11 किलो 59 ग्राम चार कीमत-12,11,800 रू0

2- डोडा-02 अभियोग पंजीकृत कर 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार कब्जे से 20 किलो 337 ग्राम कीमत-1,01,685 रू0

3- स्मैक कुल 31 अभियोग पंजीकृत कर 35 अभियुक्तों को गिरफ्तार कब्जे से 02 किलो 181 ग्राम 906 मिग्रा कीमत 6,54,58,800/-

4- गांजा कुल 05 अभियोग पंजीकृत कर 06 अभियुक्तों को गिरफ्तार कब्जे से 48 किलो 606 ग्राम कीमत लगभग 12,15,150/-

5- नशे के इंजेक्शन कुल 12 अभियोग पंजीकृत कर 13 अभियुक्तो को गिरफ्तार कब्जे से 1023 नशे के इंजेक्शन कीमत 51,150/-

पुलिस टीम-

जसवीर सिंह चौहान प्रभारी निरीक्षक कोतवाली काठगोदाम, मोहन सिंह सौन, प्रभारी एसओजी नैनीताल, हे0कानि0 कुन्दन कठायत, (एसओजी), हे0कानि0 त्रिलोक रौतेला, (एसओजी), कानि टीका राम कोतवाली काठगोदाम, कानि0 अशोक रावत (एसओजी), कानि0 भानु प्रताप (एसओजी), कानि0 अनिल गिरी (एसओजी), कानि0 अरविन्द बिष्ट (एसओजी)

एक नजर

अखिल भारतीय महापौर परिषद की कार्यकारिणी बैठक में शामिल हुई मेयर किरन जैसल

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मेयर किरन जैसल ने ऋषिकेश में आयोजित अखिल भारतीय महापौर परिषद की 117वीं कार्यकारिणी बैठक में सहभागिता कर विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर मेयर किरन जैसल ने कहा कि हरिद्वार शहर में लाखो श्रद्धालु रोज़ माँ गंगा में डुबकी लगाने आते हैं ऐसे में लाखो टन कूड़ा एकत्र हो जाता है, निगम के कर्मचारी दिन रात परिश्रम कर हरिद्वार को स्वच्छ रखने के लिए साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखते हुए अपनी सेवाऐं दे रहे हैं ताकि हरिद्वार आने वाले श्रद्धालु एक अच्छा संदेश हरिद्वार से लेकर जा सकें। इस दौरान मेयर किरन जैसल ने परिषद से राज्य एवं केंद्र सरकार के सामने 74वे संशोधन को लागू करने की मांग रखा जिससे स्थानीय निकाय की शक्तियों को बढ़ाया जा सके और निगम और अन्य संसाधन भी मिल सकें। मेयर ने देश के सभी महापौर से अगामी कुंभ में हरिद्वार पधारने का निमंत्रण भी दिया। इस अवसर पर परिषद की अध्यक्ष रेनूबाला गुप्ता, सचिव मनोज गुप्ता, ऋषिकेश महापौर शम्भू पासवान सहित देशभर से आए महापौर एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। नगर निकायों के सशक्तिकरण एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार हेतु सार्थक चर्चा की गई।

भीमताल नगर पालिका को मिले पांच नए कूड़ा वाहन, सीएम धामी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पथ प्रवाह, नैनीताल/भीमताल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भीमताल नगर को साफ एवं स्वच्छ बनाए रखने के उद्देश्य से पांच नए कूड़ा वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भीमताल नगर पर्यटन एवं धार्मिक क्षेत्र में विख्यात है, यहॉ की झीले एवं प्राकृतिक सुन्दरता पर्यटकों को यहॉ खींच लाती है। नगर को साफ एवं स्वच्छ बनाए रखने हेतु आवश्यक सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का होना नितांत आवश्यक है, इसी उद्देश्य से यह कूड़ा वाहन नगर पालिका को उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि नगर के कूड़े का निस्तारण आसानी से हो सके। उन्होंने कहा कि नगर को स्वच्छ बनाए रखने के साथ ही कूड़े का समय पर निस्तारण आवश्यकीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार नगर निकायों में स्वच्छता अभियान के लिए कूड़ा वाहनों के साथ-साथ नए उपकरण भी दे रही है, ताकि नगरीय क्षेत्रों को स्वच्छ रखा जा सके। इस दौरान शहरी विकास मंत्री राम सिंह कैड़ा, भीमताल नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा आदि मौजूद रहे।

जलवायु परिवर्तन को रोक कर ही होगा भविष्य सुरक्षितः प्रो बत्रा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

एसएमजेएन पीजी कॉलेज में आन्तरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ, पर्यावरण प्रकोष्ठ, बीआईएस मानक क्लब के संयुक्त तत्वाधान में आज विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में फलदार प्रजातियों का पौधारोपण भी किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुनील कुमार बत्रा ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुये कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन ने जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को जन्म दिया हैं। जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के चलते ही ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और जैव विविधता का क्षरण हो रहा हैं। प्रो बत्रा ने कहा पर्यावरण संरक्षण अब विकल्प नहीं संकल्प है। प्रो बत्रा ने कहा कि मानव के भविष्य और पर्यावरण के संरक्षण के लिए अब समय की मांग हैं कि सतत विकास को आधार बनाकर जलवायु परिवर्तन को रोका जाए अन्यथा मानव जीवन का अस्तित्व ही नहीं बचेगा। इस अवसर पर पर्यावरण प्रकोष्ठ के समन्वयक तथा मानक क्लब के मेंटर डॉ विजय शर्मा ने अपने व्यक्तव्य में कहा कि जब तक प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण नहीं होगा तब तक मानव जीवन भी सुरक्षित नहीं होगा। डॉ विजय शर्मा ने विश्व पर्यावरण की इस वर्ष की थीम इंस्पायर्ड बाय नेचर, फॉर क्लाइमेट, फॉर ऑर फ्यूचर के विषय में कहा कि जलवायु के प्रति सजग रहकर वैश्विक स्तर पर किया जा रहा यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम हैं। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ संजय कुमार माहेश्वरी ने कहा कि विश्व के सभी देश जलवायु परिवर्तन की इस वैश्विक समस्या के प्रति गंभीर हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिए ठोस कदम उठा रही है। इस अवसर पर प्रो विनय थपलियाल, डॉ शिव कुमार चौहान, डॉ मनोज कुमार सोही, वैभव बत्रा, कार्यालय अधीक्षक मोहन चन्द्र पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर ग्राम तेलीवाला में जागरूकता कार्यक्रम

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजत शहरी एवं ग्रामोत्थान संस्थान द्वारा विकासखंड बहादराबाद के ग्राम तेलीवाला में पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान प्रतिभागियों को वृक्षारोपण, जल संरक्षण, प्लास्टिक प्रदूषण की रोकथाम, स्वच्छता तथा प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार अपनाने और आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं हरित बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। रजत शहरी एवं ग्रामोत्थान संस्थान के प्रतिनिधि शिव प्रसाद सेमल्टी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास समय की आवश्यकता है। उन्होंने पौधारोपण, जल बचत और प्लास्टिक के सीमित उपयोग को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से उत्पन्न चुनौतियों पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान के लिए सामुदायिक सहभागिता और जन-जागरूकता बेहद जरूरी है। सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए अपने गांव और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ एवं हरित बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्थान की टीम के मोहित कटारिया, अंकित कुमार एवं पारुल ने भी पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।

एक नजर

सीज क्लीनिक को जल्द नहीं खोला गया तो होगा आन्दोलन : डॉ केपीएस चौहान

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार के चिकित्सकों की बैठक इएमए कैम्प कार्यालय में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए इएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ केपीएस चौहान ने बताया है कि बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी हरिद्वार द्वारा की गयी कार्यवाही की निन्दा करते हुए उनके प्रति रोष प्रकट किया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जल्द ही उनके कार्यालय पर प्रदेश के समस्त चिकित्सकों द्वारा धरना प्रदर्शन कर उनका घेराव किया जायेगा तथा उनके खिलाफ माननीय उच्च न्यायालय उत्तराखंड एवं सर्वोच्च न्यायालय भारत के द्वारा जारी आदेशों की अवमानना का मुकदमा दर्ज कराने का निर्णय लिया गया है। क्योंकि गत 2 जून को राजा गार्डन जगजीत पुर कनखल में इएमए के सदस्य इच्छ प्रेक्टिसनर रमेश जालान की क्लीनिक सीज कर दी गई थी। उक्त क्लीनिक को तत्काल खोलने का अनुरोध संगठन द्वारा किया गया एवं सभी तथ्यों से अवगत कराया गया था। लेकिन अभी तक क्लीनिक नहीं खोला गया। बैठक में डा अमर पाल अग्रवाल, डॉ आदेश शर्मा, डॉ अशोक कुशवाहा, डॉ विक्रम सिंह चौहान, डॉ चांद उस्मान अंसारी, डॉ सुनील अग्रवाल, डॉ राकेश कुमार, डॉ रमेश जालान, डा बी बी कुमार, डॉ हरबंस सिंह, डॉ गुलाम साबिर, डॉ अनिल त्यागी, डॉ कुलदीप चौधरी, डॉ वसीम अहमद, डा कुलदीप त्यागी, डॉ उदयभान सिंह, डॉ अर्सलान, डॉ राशिद अब्बासी, डॉ अशवद अंसारी, डॉ ऋचा आर्य, डॉ हीना कुशवाहा, डॉ लक्ष्मी आदि उपस्थित रहे।

अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर डॉ विशाल गर्ग ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष डॉ. विशाल गर्ग के संयोजन में प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी मयूर दीक्षित से मिलकर चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान व्यापारियों को हो रही समस्याओं की जानकारी देते हुए ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर डॉ. विशाल गर्ग ने जिलाधिकारी मयूर दीक्षित को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान व्यापारियों की दुकान की तिरपाल अतिक्रमण की श्रेणी से हटाया जाये क्योंकि व्यापारी तिरपाल को हटा भी देते हैं लेकिन अतिक्रमण के दौरान तिरपाल को भी हटाया जा रहा है जिससे व्यापारियों के सामने दिक्कतें आ रही है। तिरपाल धूप, वर्षा एवं गर्मी से ग्राहकों एवं व्यापारियों को राहत प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि छोटे मझोले व्यापारियों के रोजगार को भी ध्यान में रखकर अतिक्रमण चलाया जाये।

डॉ. विशाल गर्ग ने कहा कि व्यापारी सदैव ही शासन-प्रशासन का सहयोग करता है। अनेकों स्नाने पर्वो, मेलों एवं कुम्भ जैसे आयोजनों में भी व्यापारी हमेशा ही शासन-प्रशासन के साथ कदम से कदम मिलाकर सहयोग देता चला रहा है लेकिन अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान व्यापारियों के सामान का भी नुकसान हो जाता है। अतिक्रमण हटाओ अभियान के नाम पर व्यापारियों का अहित नहीं होना चाहिए। दुकानों की शेड हटाने से व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ता व्यापार मंडल संगठन महामंत्री योगेश भारद्वाज एवं व्यापार मंडल शहर अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने भी जिलाधिकारी हरिद्वार से अपील की है कि अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान व्यापारियों का नुकसान नहीं होना चाहिए। जिन स्थानों पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है उसकी जानकारी पूर्व में दी जाये जिससे वह अपने सामान की रक्षा, सुरक्षा कर सकें।

भाजपा लमगड़ा मंडल की बैठक में संगठन सुदृढ़ीकरण पर जोर

पथ प्रवाह, लमगड़ा। भारतीय जनता पार्टी लमगड़ा मंडल की मासिक बैठक हनुमान मंदिर परिसर में मंडल अध्यक्ष हरीश सिजवाली की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक में मंडल अध्यक्ष हरीश सिजवाली ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए शक्ति केंद्र और बूथ स्तर की बैठकों का नियमित आयोजन आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ समितियों को और अधिक सक्रिय बनाने का आह्वान किया। मंडल प्रभारी मनीष जोशी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने तथा संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त करने का आह्वान किया। साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को सफल बनाने पर जोर दिया। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और बूथ सशक्तिकरण को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कार्यकर्ताओं ने संगठन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प भी लिया। बैठक के बाद विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हनुमान मंदिर परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैठक में मंडल अध्यक्ष हरीश सिंह सिजवाली, युवा मोर्चा अध्यक्ष गौरव सिंह बिष्ट, मंडल मीडिया संयोजक हिमांशु सिंह, एससी मोर्चा अध्यक्ष कृष्णा बिष्ट, मंडल महामंत्री प्रदीप सिंह बगड़वाल, उमेश रावत, प्रताप सिंह, विनोद सिंह, आनंद सिंह चौहान, भुवन ढैला, रमेश कुमार, भीम सिंह, जगदीश सिंह रावत सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पेड़ लगाओ, भविष्य बचाओ के संकल्प के साथ भाजपा का वृहद वृक्षारोपण अभियान शुरू

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने बैरागी कैंप, हरिद्वार में वृहद वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया। भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने फलदार एवं छायादार पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने कहा कि 5 जून केवल एक तारीख नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारे कर्तव्यों की याद दिलाने वाला दिन है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्एक पेड़ माँ के नामश् अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन, संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला हैं। वृक्षारोपण के साथ उनकी देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है।

कार्यक्रम के संयोजक एवं जिला मंत्री रेशु चौहान ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने के उद्देश्य से जिले के सभी मंडलों को 500 से अधिक फलदार और छायादार पौधे वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता लगाए गए पौधों की जियो-टैगिंग कर उनकी नियमित निगरानी करेगा और मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। यह अभियान स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर पूरे वर्ष संचालित किया जाएगा।

कार्यक्रम में दर्जाधारी राज्य मंत्री सुनील सैनी, जिला महामंत्री हीरा सिंह बिष्ट, जिला उपाध्यक्ष लव शर्मा, निपेंद्र चौधरी, आशु चौधरी, तरुण नय्यर, पार्षद सचिन अग्रवाल, जिला मंत्री भूप सिंह, धर्मेंद्र चौहान, अरविंद कुशवाहा, लक्ष्मण सिंह नागर, कमल प्रधान, विनीत जोली, प्रेम शंकर पिंकी, भारत भूषण सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल की एनएसएस इकाई ने किया पर्यावरण संरक्षण का आह्वान

पथ प्रवाह, हरिद्वार

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून 2026 को डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, जगजीतपुर, हरिद्वार की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई एवं इको क्लब द्वारा विद्यालय परिसर में पौधारोपण एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों, शिक्षकों तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुमार कपिल के प्रेरणादायी उद्बोधन से हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई तथा मानवीय गतिविधियों से पर्यावरण पर पड़ रहे दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

पौधारोपण अभियान के अंतर्गत स्वयंसेवकों ने आम सहित विभिन्न फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इसके साथ ही विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का आयोजन विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम 'प्रकृति से प्रेरित- जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए' के अनुरूप किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को भी समर्थन देते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संदेश दिया।

एनएसएस के आदर्श वाक्य 'स्वयं से पहले आप' को चरितार्थ करते हुए स्वयंसेवकों ने पर्यावरण सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण तथा प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने हेतु निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर 'हरियाली की ओर एक कदम' तथा 'धरती को बचाने की शपथ' जैसे संदेशों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता का आह्वान किया गया।

दिल्ली पब्लिक स्कूल रानीपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

पथ प्रवाह, हरिद्वार

दिल्ली पब्लिक स्कूल, रानीपुर में विश्व पर्यावरण दिवस बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अनुपम जग्गा के नेतृत्व में विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बडी संख्या में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने विद्यालय परिसर में अमलतास, कचनार, आम, नीम, मौलसरी तथा पिलखन के पौधे रोपे। सभी प्रतिभागियों ने पौधों की सुरक्षा एवं उनके नियमित संरक्षण का संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य डॉ. अनुपम जग्गा ने कहा कि हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करना सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रकृति हमारे जीवन का आधार है तथा स्वच्छ वायु, निर्मल जल, हरे-भरे वृक्ष एवं जैव विविधता हमारे अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। वर्तमान समय में जब विश्व अनेक पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब हम सभी का यह दायित्व बनता है कि पर्यावरण संरक्षण को अपनी जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाएं। विद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने का केंद्र नहीं, बल्कि जिम्मेदार एवं संवेदनशील नागरिकों के निर्माण का माध्यम भी है।

डॉ. अनुपम जग्गा ने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने, जल एवं ऊर्जा संरक्षण अपनाने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं हरित बनाए रखने का आह्वान किया।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com